

Bibelleseplan mit den 4B

Juli 12		August		September	
1	2. Mo. 1,1-22	1	4. Mo. 21,4-9	1	Joh. 9,35-41
2	2. Mo. 2,1-25	2	5. Mo. 31,1-30	2	Psalm 8
3	2. Mo. 3,1-22	3	5. Mo. 32,1-43	3	Joh. 10,1-10
4	2. Mo. 4,1-17	4	5. Mo. 32,44-52	4	Joh. 10,11-21
5	2. Mo. 4,18-31	5	5. Mo. 34,1-12	5	Joh. 10,22-30
6	2. Mo. 5,1-6,1	6	Joh. 5,1-16	6	Joh. 10,31-42
7	2. Mo. 6,2-13	7	Joh. 5,17-23	7	Joh. 11,1-16
8	2. Mo. 6,28-7,13	8	Joh. 5,24-29	8	Joh. 11,17-46
9	2. Mo. 7,14-29	9	Joh. 5,30-47	9	Psalm 9
10	2. Mo. 12,1-20	10	Joh. 6,1-15	10	Joh. 11,47-57
11	2. Mo. 12,21-33	11	Joh. 6,16-21	11	Joh. 12,1-11
12	2. Mo. 12,34-51	12	Psalm 5	12	Joh. 12,12-19
13	2. Mo. 13,17-22	13	Joh. 6,22-27	13	Joh. 12,20-36
14	2. Mo. 14,1-14	14	Joh. 6,28-40	14	Joh. 12,37-43
15	2. Mo. 14,15-31	15	Joh. 6,41-59	15	Joh. 12,44-50
16	2. Mo. 15,1-21	16	Joh. 6,60-71	16	Psalm 10
17	2. Mo. 15,22-27	17	Joh. 7,1-13	17	Joh. 13,1-17
18	2. Mo. 16,1-36	18	Joh. 7,14-24	18	Joh. 13,18-30
19	2. Mo. 17,1-16	19	Psalm 6	19	Joh. 13,31-35
20	2. Mo. 18,1-27	20	Joh. 7,25-39	20	Joh. 13,36-38
21	2. Mo. 19,1-25	21	Joh. 7,40-52	21	Joh. 14,1-7
22	2. Mo. 20,1-21	22	Joh. 7,53-8,11	22	Joh. 14,8-14
23	2. Mo. 24,1-18	23	Joh. 8,12-20	23	Psalm 11
24	2. Mo. 25,1-22	24	Joh. 8,21-29	24	Joh. 14,15-25
25	2. Mo. 32,1-14	25	Joh. 8,30-36	25	Joh. 14,26-31
26	2. Mo. 32,15-35	26	Psalm 7	26	Joh. 15,1-8
27	2. Mo. 33,1-23	27	Joh. 8,37-45	27	Joh. 15,9-17
28	2. Mo. 34,1-16	28	Joh. 8,46-59	28	Joh. 15,18-16,4
29	2. Mo. 34,17-35	29	Joh. 9,1-12	29	Joh. 16,5-15
30	2. Mo. 40,1-38	30	Joh. 9,13-23	30	Psalm 12
31	4. Mo. 20,1-13,22-29	31	Joh. 9,24-34	31	

Kraft tanken

Mit Mose durch die Wüste unseres Alltags

Mose, der alles kannte. Er war mal mächtig und reich, dann wieder arm und unbedeutend, mal ein mutiger Führer, mal ein müder Zweifler, mal die Massen bewegen und führen, mal allein mit Gott.

Sein Leben zwischen den Welten ähnelt unserem Leben heute, zwischen Arbeitswelt – Gemeindewelt, Familie und Öffentlichkeit, Mut und Verzagttheit, Glaube und Ungehorsam.

Wir wollen in den nächsten Wochen mit Mose Kraft tanken. Deshalb findet ihr im Bibelleseplan für jeden Tag einen Abschnitt, wie Mose Gott erlebte. Wir wünschen euch viel Freude und Inspiration beim Lesen.